'यूपी में काम करना अब आसान'

- यूपी के अरबपतियों में सचिन अग्रवाल नंबर तीन पर

- पीटीसी इंडस्ट्री के निदेशक ने कहा, यूपी में निवेशक खुश

जासं ● लखनऊ : यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश में उद्योगों के लिए माहौल बदला है। यूपी को लेकर बाहर के निवेशकों में जो असमंजस था प्रदेश की मौजूदा सरकार के कामकाज से अब वह दूर होता दिख रहा है। इसी का नतीजा है कि देश और दुनिया के निवेशक अब बिना किसी डर या संकोच के प्रदेश में निवेश के लिए आ रहे हैं।

यह कहना है लखनऊ के अरबपति कारोबारी पीटीसी इंडस्ट्री के निदेशक सचिन अग्रवाल का, जिनको शुक्रवार को एक इंटरनेशनल एजेंसी ने यूपी के अरबपति उद्यमियों की सूची में तीसरा स्थान दिया है। पहले नंबर पर घड़ी समूह कानपुर के मुरलीधर ज्ञानचंदानी 15 हजार आठ सौ करोड़ के साथ और इसी समूह के बिमल ज्ञानचंदानी दस हजार पांच सौ करोड़ के साथ दूसरे नंबर पर हैं। लखनऊ के ही एक अन्य कारोबारी एपको इंफ्रा के अनिल कुमार सिंह 4,100 करोड़ की संपत्ति के साथ सूची में नौवें स्थार पर हैं। पीटीसी इंडस्ट्री के मालिक सचिन की नेटवर्थ करीब दस हजार करोड़ है। लखनऊ के नंबर वन उद्यमी सचिन अमौसी के निकट डिफेंस कारीडोर में करीब आठ सौ करोड़ की लागत से प्लाट बना रहे हैं जहां पर रक्षा, उड्डयन और आयल सेक्टर से संबंधित मशीनें और कलपुर्जे तैयार किए जाएंगे। दैनिक जागरण से सचिन ने कहा, उद्योगों के लिए अब यूपी में बेहतर माहौल है। सरकार उद्यमियों के अनुकूल नीतियां बना रही है जिससे विश्वास बढ़ा है। सब्सिडी से लेकर सिंगिल विंडो सिस्टम कारगर है। यूपी में कानून व्यवस्था पहले निवेशकों के लिए बहुत बड़ा मुद्दा हुआ करती थी, लेकिन अब इसको लेकर कोई दिक्कत नहीं है। हालांकि, तहसीलों और स्थानीय स्तर पर कार्यालयों में निगरानी बढ़ाने की जरूरत है।